वह काफी युवा खिलाड़ी है। वह महज 26-27 साल की है इसलिये चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिये। वह अच्छा खेलना शुरू कर रही है। मुझे भविष्य में उसके अच्छा खेलने की उम्मीद है। - पुलेला गोपीचंद

भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच, पीवी सिंधू को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

पिछले महीने मांसपेशी में आये खिंचाव से जूझ रहे टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 13 जून को यहां होने वाले पावो नुर्मी खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे। आयोजकों ने शनिवार को यह घोषणा की। फिनलैंड के एथलेटिक्स एसोसियेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''जैवलिन ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने पावो नुर्मी खेलों में अपनी भागीदारी रद्द कर दी है। चोपड़ा के प्रबंधक ने प्रतियोगिता आयोजकों को संदेश दिया कि एथलीट को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, यही कारण है कि (उनकी) प्रतियोगिता को रद्द करना पड़ा।''

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

एशियाई खेलों से पहले स्पेन, जर्मनी का दौरा करेगी महिला हॉकी टीम

नयी दिल्ली, 10 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये जुलाई में जर्मनी और स्पेन का दौरा करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। साई ने बताया कि भारतीय टीम 12 जुलाई को जर्मनी जायेगी, जहां वह रसेलशाइम में प्रशिक्षण लेने के बाद जर्मनी और चीन से मुकाबला करेगी। जर्मनी में अभियान खत्म करने के बाद भारतीय महिलाएं टेरासा जायेंगी, जहां उनका सामना मेज़बान स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से होगा। यूरोप का यह दौरा एशियाई खेलों की तैयारी के लिहाज़ से भारत के लिये महत्वपूर्ण होगा, जो पेरिस ओलंपिक 2024 का क्वालीफिकेशन आयोजन भी है। इस अंतरराष्ट्रीय दौरे का वित्तपोषण केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल महासंघ योजना के तहत किया जा रहा है। भारतीय महिलाएं इस समय बेंगलुरु के साई केंद्र में हैं, जहां वे एशियाई खेलों के तैयारी शिविर में रविवार से भाग लेंगी।

दीक्षा कट से चूकी, शुभंकर ने बोगी रहित दौर खेला

स्टॉकहोम, 10 जून। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने बोगीरहित दूसरा दौर खेलकर स्कैंडेनेवियन मिश्रित ओपन में कट में प्रवेश कर लिया लेकिन दीक्षा डागर चूक गई। शर्मा ने पहले दौर में निराशाजनक 75 का स्कोर किया था लेकिन दूसरे दौर में कोई बोगी नहीं किया जबकि चार बर्डी लगाये। वह संयुक्त 48वें स्थान पर हैं। वहीं दीक्षा ने पहले दौर में पांच ओवर और दूसरे में तीन ओवर का स्कोर किया और कट में जगह नहीं बना सकी। इंग्लैंड की डेल विटनेल ने छह स्ट्रोक्स की बढत बना ली है।

किपयेगोन ने एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

पेरिस, 10 जून। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने यहां डायमंड लीग मीट में 5000 मीटर रेस में 14 मिनट 5.20 सेकंड के समय के साथ शुक्रवार को यहां महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। दो बार की इस ओलंपिक चैम्पियन ने पिछले सप्ताह फ्लोरेंस में गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ को तीन मिनट 49.11 सेकंड में पूरा कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई थी। किपयेगोन ने पेरिस में अपने आखिरी लैप को 61.1 सेकंड में पूरा कर लेटेसेनबेट गिडे के रिकॉर्ड को 1.42 सेकंड के अंतर से तोड़ा। गिडे ने 2020 में 14 मिनट 07.94 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेमेचा गिरमा ने बाद में पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में 19 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इथियोपिया के 22 साल के एथलीट ने सात मिनट 52.11 सेकंड के समय के साथ 2004 में सैद सईद शाहीन के बनाये गये विश्व रिकॉर्ड में 1.52 सेकंड से सुधार किया।

इंग्लैंड की 'बाजबॉल' रणनीति हमेशा कारगर नहीं होगी : वॉ

सिडनी, 10 जून। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव वॉ ने एशेज श्रृंखला से पहले इंग्लैंड को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उनके पास हर कीमत पर जीत के लिए कोई वैकल्पिक योजना नहीं है तो उनकी 'बाजबॉल' रणनीति उल्टी पड़ सकती है। कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड ने 'बाजबॉल' रणनीति की मदद से 13 में से 11 टेस्ट मैच जीते है। ' बाजबॉल ' रणनीति के तहत इंग्लैंड के बल्लेबाज टेस्ट मैचों में भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान वॉ का मानना है कि यह कदम हमेशा काम नहीं करेगा। उन्होने 'क्रिकेट.कॉम.एयू' से कहा, '' 'बाजबॉल' रणनीति पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। टीम की वैकल्पिक योजना क्या है? अगर उनके पास वैकल्पिक योजना नहीं है तो यह हमेशा कारगर नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, '' इंग्लैंड ने दिखाया है कि वे क्रिकेट की इस शैली को आगे बढ़ाने के लिए काफी अच्छे हैं, लेकिन विश्व स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उनकी असली परीक्षा होगी। ऐसी गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया के पास है।'' पांच टेस्ट की एशेज श्रृंखला का आगाज 16 जून से होगा।

जीत से 280 रन दूर भारत, संघर्ष जारी

लंदन, 10 जून। भारत ने रोहित शर्मा (43) और विराट कोहली (44 नाबाद) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के चौथे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 164 रन बना लिये, हालांकि वह अब भी जीत से 268 रन दूर है। पहली पारी में 173 रन की बढ़त लेने वाले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी (66 नाबाद) के अद्धर्शतक की मदद से दूसरी पारी 270/8 के स्कोर पर घोषित करते हुए भारत के सामने 444 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा है। अगर भारत आखिरी दिन लक्ष्य हासिल करना चाहता है तो उसे कोहली-रहाणे पर निर्भर रहना होगा।

करो या मरो की स्थिति में लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित और शुभमन गिल ने खुलकर बल्लेबाजी की। रोहित ने पहले ही ओवर में कमिंस को चौका लगाकर खाता खोला, जबकि गिल ने दो ओवर बाद कमिंस को दो चौके जड़े। कप्तान कमिंस ने विकेट की तलाश में वामहस्त गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी गेंद सौंपी। रोहित ने उनका स्वागत फाइन लेग पर छक्का लगाकर किया। भारत दूसरे सत्र का समापन बिना विकेट गंवाये कर सकता था, लेकिन बोलैंड ने सत्र के आखिरी ओवर में शुभमन गिल को स्लिप में कैचआउट करवा दिया। गिल 19 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भी रोहित ने उसी अंदाज़ में रन बनाना जारी रखा और चौके के साथ नौंवे ओवर में भारत का पचासा पूरा किया। दूसरे छोर पर खड़े पुजारा ने भी बोलैंड को चौका लगाकर दबाव कम किया। रोहित पुजारा के बीच हुई 51 रन की साझेदारी की मदद से भारत अच्छी स्थिति में दिखने लगा, लेकिन तभी दोनों बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौट गये।

नेथन लायन की स्पिन पर स्वीप खेलने की कोशिश में रोहित (43) पगबाधा हुए, जबकि कमिंस की गेंद पर अपर-कट खेलने की कोशिश करते हुए पुजारा (27) विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। भारत का स्कोर पलक झपकते ही 92/1 से 93/3 हो गया।

इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने कुछ देर तक कोहली को अपनी स्विंग से छकाया, हालांकि उनका स्पेल समाप्त होते ही कोहली-रहाणे ने आसानी के साथ रन बटोरे। कोहली ने 35वें ओवर में चौका लगाकर भारत के 150 रन पूरे किये। दिन का खेल खत्म होने तक कोहली 44 रन बनाकर जबकि रहाणे 20 रन बनाकर खेल रहे हैं और दोनों के बीच 69 रन की साझेदारी हो चुकी है।

इससे पूर्व, दिन की शुरुआत में भारत की कोशिश थी कि वह ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर रोककर विशाल बढ़त न लेने दे। उमेश यादव ने अपने पहले स्पेल में मार्नस लाबुशेन (126 गेंद, 41 रन) को स्लिप में कैचआउट करवाकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, हालांकि इसके बाद लंबे समय तक कोई विकेट नहीं गिरा।

आधी टीम के 124 रन पर पवेलियन लौटने के बाद ग्रीन और कैरी ने पारी को संभाला। ग्रीन ने जहां धैर्य का प्रदर्शन किया, वहीं कैरी ने मौका मिलने पर चौका लगाने में देर नहीं की। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 रन के पार पहुंचाते हुए छठे विकेट के लिये 43 बहुमूल्य रन जोड़े। जडेजा ने ग्रीन को आउट करके इस साझेदारी को समाप्त किया।

जब धैर्यवान ग्रीन (95 गेंद, 25 रन) का विकेट गिरा तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 167 रन था। ग्रीन-स्टार्क की जोड़ी ने लंच तक ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाते हुए कोई और नुकसान नहीं होने दिया। पहली पारी में अद्धर्शतक से चूकने वाले कैरी ने 82 गेंद में 50 रन का आंकड़ा छुआ। कैरी ने ही 79वें ओवर में जडेजा को चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 400 रन के पार भी पहुंचाई।यह विशालकाय बढ़त मिलने के बाद स्टार्क ने भी हाथ खोल लिये। उन्होंने 83वें ओवर में मोहम्मद शमी को दो चौके जड़े, हालांकि इस ओवर में शमी ने उनकी पारी का अंत किया। नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान पैट कमिंस ने पांच गेंद पर पांच रन बनाये और आउट होते ही पारी घोषित कर दी। भारत की ओर से जडेजा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये, जबकि शमी और उमेश ने दो-दो विकेट चटकाये। सिराज को एक विकेट हासिल हुआ।

विवादास्पद कैच से आउट हुए गिल

पहली पारी में 13 रन बनाने वाले शुभमन गिल दूसरी पारी में अच्छी लय में दिखे। गिल टिकते हुए नजर आ रहे थे लेकिन 18 के निजी स्कोर पर उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। गिल को स्कॉट बोलैंड ने आठवें ओवर में कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। हालांकि, गिल को कैच आउट दिए जाने पर कंट्रोवर्सी हो गई है। रोहित ने भी गिल के आउट होने पर नाराजी का इजहार किया। पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए। वहीं, भारतीय फैंस सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि फाइनल में भारतीय टीम के साथ बेईमानी हो गई है। बता दें कि गिल को आठवें ओवर की पहली गेंद गुड लेंथ पर मिली, जो ऑफ स्टंप के करीब की लाइन में आई। ऐसे में गिल शॉट खेलने में थोड़ा हिचकिचाए लेकिन बल्ला अड़ा दिया। गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गली में चली गई, जहां ग्रीन मौजूद थे। ग्रीन ने बाईं ओर झुककर गेंद पकड़ी और जश्न मनाने लगे। इसके बाद, थर्ड अंपायर ने कैच चेक करने का फैसला किया और कई बार रिप्ले देखा। रिप्ले में स्पष्ट तौर पर क्लीन कैच नहीं दिखा। एक एंगल से यह भी लगा कि गेंद जमीन से टच हुई है। हालांकि, जब बिग स्क्रीन पर अंपायर का निर्णय आया तो गिल को आउट करार दिया गया। थर्ड अंपायर के फैसले से गिल तो निराश थे ही रोहित भी गुस्सा में दिखे। उन्होंने मैदानी अंपयर से जाकर बात की लेकिन कुछ फायदा नहीं हुआ।

तीरंदाजी एशिया कप : भारत ने जीते छह रजत, एक कांस्य

सिंगापुर, 10 जून। चीनी और कोरियाई प्रतिद्वंदियों के खिलाफ फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारत ने तीरंदाज़ी एशिया कप के तीसरे चरण में अपना अभियान शनिवार को छह रजत और एक कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। भारत ने दिन की शुरुआत महिला कंपाउंड टीम फाइनल में कोरिया के हाथों 232-234 से हारकर की। पुरुष कंपाउंड टीम को भी कोरिया के हाथों 238-235 की हार का सामना करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में भारतीय महिला कंपाउंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी।

स्वियातेक फिर बनी रोलां गैरो चैम्पियन

पेरिस, 10 जून। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए शनिवार को खेले गये फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को हराकर लगातार दूसरी बार रोलां गैरो का खिताब जीत लिया। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर दो घंटे 46 मिनट चले मुकाबले का पहला सेट गंवाने के बाद मुकोवा ने दमखम दिखाया, लेकिन टॉप सीड स्वियातेक ने 6-2, 5-7, 6-4 की जीत के साथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान अपने पास रखा।

यह स्वियातेक के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने पिछले साल अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। सिर्फ 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गयी हैं। दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था।

फ्रेंच ओपन : व्हील चेयर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने ओडा

पेरिस, 10 जून। जापान के टोकिटो ओडा शनिवार को फ्रेंच ओपन व्हीलचेयर फाइनल में ब्रिटेन के अल्फी हेवेट को 6-1, 6-4 से हराकर सबसे कम उम्र के व्हीलचेयर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गये। इस जीत के बाद ओडा का विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचना भी तय है। ओडा ने जीत के बाद कहा, मैं एक दिन दो सपने पाकर वास्तव में बहुत खुश था। सबसे कम उम्र का विश्व नंबर एक बनना और ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना, आज दोनों सपने पूरे हुए। यह मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन है।'' इस जीत के साथ ओडा ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हेवेट के हाथों मिली हार का हिसाब भी चुकता किया। ओडा ने कहा, ''यह फिलिप चैट्रियर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला था। भीड़ में इतने लोग थे। कोई कहता है, कम ऑन, टोकिटो, और कोई कहता है, अल्लेज़, टोकिटो। यह शब्द सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।'' नयी विश्व रैंकिंग सोमवार को जारी की जाएगी।

रोमांचक मुकाबले में जापान को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

काकामिगहारा (जापान), 10 जून। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने जूनियर महिला एशिया कप 2023 के रोमांचक सेमीफाइनल में शनिवार को मेज़बान जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

इस गलाकाट प्रतियोगिता में सुनेलीपा टोप्पो ने 47वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया, जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारत ने 2021 के बाद पहली बार जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई है, जहां उसका सामना रविवार को कोरिया से होगा। इस जीत की मदद से भारत ने नवंबर-दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लिया।

एक दशक बाद फाइनल में पहुंचने की उम्मीद लेकर उतरी भारतीय टीम ने पहले मिनट से ही आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन जापान के रक्षण को भेदना उसके लिये आसान नहीं रहा। जापान ने न सिर्फ डिफेंस में मज़बूती दिखाई, बल्कि कुछ देर बाद ही भारत पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। मेज़बान टीम को 13वें और 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर प्राप्त हुए लेकिन भारत ने उसे खाता खोलने का मौका नहीं दिया।

पहला क्वार्टर गोलरहित गुज़रने के बाद अगले 15 मिनटों में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। जापान दो बार गोल करने के करीब भी आया लेकिन भारतीय गोलकीपर माधुरी किंदो ने शानदार रक्षण से उसके दोनों प्रयास विफल किये। दोनों टीमें इस क्वार्टर में भी पेनल्टी कॉर्नरों को गोल में नहीं बदल सकीं और हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

जापान ने तीसरे क्वार्टर में गेंद को अपने कब्ज़े में रखने की योजना बनायी। इस योजना के दम पर जापान को 34वें और 36वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि वह अपना खाता नहीं खोल सका। जापान की असफलता के बाद भारतीय लड़कियों ने मैच पर सहसा पकड़ मज़बूत कर ली।

भारत ने जापान पर लगातार दबाव बनाते हुए 38वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक अर्जित किया। जापान ने इन मौकों पर गोल नहीं होने दिये, लेकिन भारत ने आक्रामक खेल जारी रखते हुए 39वें और 43वें मिनट में भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये।

जापान ने लगातार मज़बूत डिफेंस का प्रदर्शन किया, लेकिन 47वें मिनट में सुनेलीता टोप्पो ने फील्ड गोल करके आखिरकार उसका रक्षण भेद दिया। बढ़त मिलने के बाद भारत ने गेंद को अपने कब्ज़े में रखने पर ध्यान दिया। नतीजतन, मेज़बान जापान एक गोल से हारकर एशिया कप से बाहर हो गयी। भारत और कोरिया के बीच फाइनल रविवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न 2:30 बजे खेला जायेगा।

रूड को हराकर इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच

पेरिस, 10 जून। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच 23 ग्रैंड स्लैम जीतने का अभूतपूर्व कारनामा करने के लिये रविवार को यहां कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर फ्रेंच ओपन 2023 के फाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड का सामना करेंगे।

जोकोविच अपने सुसज्जित करियर में दो फ्रेंच ओपन सहित 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं और अगर वह रविवार को रूड पर फतह हासिल कर लेते हैं तो सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में राफेल नडाल (22) को पछाड़ देंगे।

जोकोविच ने खिताबी मुकाबले से पहले दबाव पर बात करते हुए कहा, ''मेरे कंधों पर दबाव हमेशा होता है, इसलिए यह अलग नहीं होने वाला है। यह मेरे खेल का हिस्सा है, मेरे जीवन का हिस्सा है, मैं करता ही यही हूं। मुझे लगता है कि दबाव होना एक विशेषाधिकार है। लेकिन यह प्रेरणा का स्त्रोत भी है।''

उन्होंने कहा, ''टूर्नामेंट से पहले मैं जानता था कि मेरे लिये रोलां गैरो एक ग्रैंड स्लैम है, और यह इस सतह पर सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। इसलिए मैं अच्छी तरह से तैयार था ताकि मैं इस स्थिति में रह सकूं, ताकि मैं इस एक और ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतने के लिये इस लड़ाई के लिये तैयार रह सकूं।'' जोकोविच और रूड इससे पहले चार बार आमने-सामने आये हैं और सर्बियाई खिलाड़ी ने चारों बार बाज़ी मारी है। पहली बार ग्रैंड स्लैम जीतने के इच्छुक रूड पिछले साल भी फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे थे लेकिन तब लाल बजरी के बेताज बादशाह नडाल ने उन्हें ट्रॉफी तक नहीं पहुंचने दिया था।

रूड ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराने के बाद कहा, ''मैं रोलां गैरो में यह सोचकर नहीं आया था कि मैं फाइनल में पहुंचने का दावेदार हूं। मैं एक समय में एक मैच के बारे में सोचने की कोशिश कर रहा था।''

उन्होंने कहा, मैंने सोचा था कि मैं पिछले साल की तरह फाइनल में वापस आना पसंद करूंगा, और मैं पिछले साल से ही फाइनल में अपने स्थान की रक्षा करने की कोशिश करने के बारे में सोच रहा था। हम दो हफ्ते बाद यहां हैं। यहां पेरिस में दो बहुत ही मजेदार सप्ताह गुज़रे हैं, पिछले साल की तरह ही मजेदार और उम्मीद है कि इस बार मेरे लिये

स्टिमक एशियाई खेलों में भारतीय फुटबॉल टीम के कोच रहेंगे : प्रभाकरण

नयी दिल्ली, 10 जून। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) अंडर-23 एशियाई क्वालीफायर में भारतीय टीम नये कोच की अगुवाई में मैदान पर उतरेगी लेकिन सीनियर राष्ट्रीय टीम के कोच इगोर स्टिमक हांगझाऊ में होने वाले एशियाई खेलों के दौरान यह भूमिका निभायेंगे।

एशियाई खेलों में फुटबॉल अंडर-23 स्पर्धा है जिसमें 23 साल से अधिक उम्र के तीन खिलाड़ी हो सकते है।स्टिमक इसके आयोजन के बाद अगले साल होने वाले एशियाई कप के लिए सीनियर टीम की तैयारियों पर ध्यान देंगे।

भारत को अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफाइंग चरण (डालियान में छह से 12 सितंबर) के लिए मालदीव, संयुक्त अरब अमीरात और मेजबान चीन के साथ रखा गया है। इस टूर्नामेंट की तारीखें थाईलैंड में होने वाली किंग्स कप (सात से 10 सितंबर) से टकरा रही है। भारत की सीनियर टीम स्टिमक की देखरेख में किंग्स कप में हिस्सा लेगी।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा, '' स्टिमक एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि थाईलैंड में किंग्स कप है। इसलिए हम अंडर-23 टीम का नया कोच नियुक्त कर रहे हैं जो एशियाई खेलों के दौरान स्टिमक की मदद भी करेगा। वह एक भारतीय होगा।''

स्टिमक इससे पहले 2022 एएफसी अंडर-23 एशियाई क्वालीफायर में टीम के कोच थे। टीम ग्रुप तालिका में दूसरे स्थान पर रहने के कारण मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। किंग्स कप के बाद एशियाई खेलों (23 सितंबर से आठ अक्टूबर) के लिए स्टिमक हांगझाऊ जायेंगे।

स्टिमक के नेतृत्व में मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय टीम में कई खिलाड़ी 23 साल से कम उम्र के हैं और स्टिमक उन्हें एशियाई खेलों में उतार सकते है। प्रभाकरन ने कहा, ''एशियाई खेलों के दौरान सीनियर टीम के पास कोई अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है, इसलिए स्टिमक हांग्जोऊ में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे।''

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2018 एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय टीम को इस आधार पर मंजूरी देने से इनकार कर दिया था कि यह महाद्वीप में शीर्ष आठ रैंकिंग में नहीं था।। लेकिन इस

पहलवानों का आरोप पीड़ितों पर दबाव डाला जा रहा है, 15 तक कार्रवाई नहीं होने पर प्रदर्शन फिर शुरू करेंगे

सोनीपत, 10 जून। प्रदर्शनकारी पहलवानों ने शनिवार को आरोप लगाया कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह यौन उत्पीड़न के पीड़ितों पर बयान बदलने के लिये दबाव डाल रहा है और अगर 15 जून तक उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो वे अपना प्रदर्शन फिर शुरू करेंगे। सरकार ने पहलवानों को आश्वासन दिया है कि 15 जून तक भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जायेगा। इसके बाद पहलवानों ने अपना प्रदर्शन तब तक स्थगित करने का ऐलान कर दिया था। पहलवानों ने सोनीपत जिले में छोटूराम धर्मशाला में पंचायत का आयोजन करके खाप, किसानों और महिला संगठनों को बुलाया था जिन्होंने इस आंदोलन में उनका साथ दिया है। पहलवानों ने उन्हें खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से बुधवार को हुई बातचीत के बारे में भी बताया। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा, यह साबित हो चुका है कि बयान धारा 161 और 164 के तहत रिकॉर्ड किये गए और बदल गए हैं। हमें समझ में नहीं आ रहा।'' उन्होंने कहा ,'' यह साफ है कि नाबालिग के पिता पर दबाव था। दबाव बनाया गया है। हम ऐसे में कितने दिन तक लड़ेंगे।'' साक्षी ने कहा ,'' बजरंग को फोन आ रहे हैं कि बिक जाओ, टूट जाओ। मीडिया द्वारा गलत नरैटिव गढे जा रहे हैं। इससे हमारा दिल टूट गया है।'' उन्होंने कहा ,'' यही वजह है कि हमने कहा था कि पहले उसे गिरफ्तार करो और फिर जांच करो। वह पुलिस हिरासत में होता तो दबाव नहीं डाल सकता था। वरना एक के बाद एक पीड़ित टूट जायेंगे। उसके बाहर रहने तक डर का माहौल बना रहेगा।' उन्होंने कहा ,'' जब तक कोई समाधान नहीं निकलता, हम एशियाई खेलों में भाग नहीं लेंगे। आप समझ नहीं सकते कि हम रोज किस मानसिक यातना से गुजर रहे हैं।'' वहीं बजरंग पूनिया ने पंचायत में कहा कि उनके आंदोलन में कोई राजनीति नहीं है। बाद में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा ,'' हमने अपने फैसले के बारे में सभी को बताने के लिये पंचायत बुलाई है। अगर 15 जून तक कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो हम अपना प्रदर्शन फिर शुरू करेंगे।'' उन्होंने कहा कि अभी उन्होंने धरना स्थल के बारे में फैसला नहीं लिया है। यह जंतर मंतर पर भी हो सकता है या रामलीला मैदान पर भी। पुलिस पहले ही कह चुकी है कि उन्हें जंतर मंतर पर लौटने नहीं दिया जायेगा। विनेश फोगाट खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के दौरान भी मौजूद नहीं थी और आज भी नहीं। इसके बारे में पूछने पर साक्षी और बजरंग ने अलग अलग जवाब दिये। साक्षी ने कहा ,'' साक्षी, बजरंग और विनेश एक हैं। विनेश कानूनी पक्ष देख रही है। अफवाहें फैलाई जा रही है कि हम एक एक करके पीछे हट रहे हैं लेकिन हम सब एक है।'' बजरंग ने कहा,'' विनेश बीमार है , इसलिये आज नहीं आई।'' दोनों ने महिला पहलवान को दिल्ली में डब्ल्यूएफआई कार्यालय ले जाने की निंदा की।